लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2839
20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

सीसीआई द्वारा खरीदी गई कपास

2839. श्री केसिनेनी श्रीनिवास:
श्री ए. गणेशमूर्ति:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दस वर्षों के दौरान कॉटन कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी गई कपास की मात्रा का आन्ध्र प्रदेश सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि विगत दस वर्षों के दौरान विशेषकर आन्ध्र प्रदेश में कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कपास की खरीद में समग्र रूप से गिरावट आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कितना कपास उत्पादन हुआ है और उक्त वर्षों के दौरान आंध्र-प्रदेश में कितने क्षेत्र में कपास की खेती होती है;

(ग) क्या कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) देश में कपास खरीदने के लिए सभी मौसमों में नियमित रूप से बाजार में आता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो किसानों से कपास की खरीद नहीं किए जाने के क्या कारण हैं जिसके परिणामस्वरूप बिचौलिए फल-फूल रहे हैं और यार्न की कीमतों में वृद्धि कर रहे हैं;

(ङ) क्या सरकार के पास फील्ड स्टाफ द्वारा खरीद मानदंडों के अनुपालन की निगरानी हेतु तंत्र है; और

(च) यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के दौरान सीसीआई द्वारा आन्ध्र प्रदेश में की गई खरीद में अनियमिताओं के मामलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) और (ख): पिछले दस वर्षों के दौरान भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी गई कपास की मात्रा का विवरण; आंध्र प्रदेश सहित राज्यवार विवरण **अनुबंध-I** में है। सीसीआई द्वारा खरीदा गया कपास बाजार मूल्य और एमएसपी में भिन्नता पर निर्भर करता है। उच्च बाजार मूल्य के मामले में सीसीआई के हस्तक्षेप की शायद ही आवश्यकता होती है क्योंकि किसानों को एमएसपी से बेहतर कीमत मिलती है। पिछले दस वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में कपास के उत्पादन और कपास की खेती के तहत क्षेत्र का विवरण **अनुबंध-II** में संलग्न है।

(ग) और (घ): सीसीआई, कपास के एमएसपी अभियान के लिए एक नोडल एजेंसी ने कपास किसानों को मजबूरन बिक्री की किसी भी स्थिति से बचाने के लिए 145 जिलों में 17 शाखाओं और 444 खरीद केंद्रों सहित एक व्यापक बुनियादी ढांचा स्थापित किया है। सीसीआई के अधिकारी कपास की आवक, बाजार दरों पर कड़ी नजर रखने और बिना किसी मात्रात्मक प्रतिबंध के किसानों द्वारा विक्री हेतु लाई जाने वाली उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) ग्रेड कपास की एमएसपी खरीद करने हेतु किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कपास के मौसम के दौरान खरीद केंद्रों पर मौजूद रहते हैं।

(ङ) और (च): एमएसपी पर कपास की खरीद से पहले, किसानों की पहचान संबंधित कृषि उपज बाजार समिति (एएमपीसी) द्वारा की जाती है, जिसके बाद राज्य सरकार या सीसीआई द्वारा, जैसा भी मामला हो, एमएसपी योजना का लाभ वास्तविक कपास किसानों को ही मिलना सुनिश्चित करने के लिए किसानों का आधार आधारित पंजीकरण किया जाता है! किसानों को पूरा भुगतान ई-मोड के माध्यम से आधार से जुड़े किसान के बैंक खाते में किया जाता है। सीसीआई कपास की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए प्रत्येक केंद्र को वैज्ञानिक उपकरणों से युक्त करके कपास किसानों के लिए गुणवत्ता आधारित मूल्य सुनिश्चित करता है। वस्त्र आयुक्त का कार्यालय द्वारा जारी एमएसपी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जाता है। जिनिंग और प्रेसिंग कारखाने जहां कपास का प्रसंस्करण किया जाता है, उन्हें निविदा प्रणाली के माध्यम से लगाया जाता है, जहां न्यूनतम प्रसंस्करण परिणाम जैसे लिंट%, कमी%, कचरा आदि निर्धारित होते हैं। किसी भी गैर अनुपालन के मामले में जिनर्स के बिलों से उचित कटौती की जाती है। प्रसंस्करण के बाद, सभी कपास गांठों को केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) या राज्य भंडारण निगम (एसडब्ल्यूसी) से किराए पर लिए गए गोदामों में स्टोर किया जाता है। पिछले पांच वर्षों में आंध्र प्रदेश राज्य में कपास की खरीद में किसी अनियमितता की सूचना नहीं मिली है।

अनुबंध-I

आंध्र प्रदेश सहित पिछले दस वर्षों के दौरान राज्य-वार कपास की एमएसपी खरीद

(मात्रा गांठों में)

राज्य	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2023-24*
पंजाब	1,27,722					3,55,955	5,35,728		25,229
हरियाणा	79,903					6,22,861	10,57,172		19,246
राजस्थान	87,870					3,75,690	9,11,176		9,272
गुजरात	6,66,457	51,501		95,105	7,983	11,05,227	4,15,363		60
महाराष्ट्र	17,63,192	1,16,799		14,647	1,95,751	26,25,284	17,51,462		7,777
मध्य प्रदेश	2,81,875	29,104		7,797	50,923	4,42,567	4,43,975		29,083
तेलंगाना	36,90,948	5,95,159		2,63,491	7,77,026	41,80,317	34,01,456		4,85,280
आंध्र प्रदेश	17,55,559	39,967		6,497	4,718	2,68,288	3,41,692		63,513
कर्नाटक	1,39,280			297	8,117	3,49,467	1,25,986		16,919
पश्चिम बंगाल	266	368	465	352	186	43	68	129	217
ओडिशा	1,02,987	11,633		1,991	25,454	1,60,658	2,05,300		6,149
तमिलनाडु					253	28,271			
कुल	**86,96,059**	**8,44,531**	**465**	**3,90,177**	**10,70,411**	**1,05,14,628**	**91,89,378**	**129**	**6,62,745**

* दिनांक 14.12.2023 तक की स्थिति

नोट: कपास मौसम वर्ष 2022-23 के दौरान कोई एमएसपी अभियान नहीं था क्योंकि कपास का बाजार मूल्य एमएसपी से अधिक था।

अनुबंध-II

पिछले दस वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में कपास के उत्पादन और कपास की खेती के तहत क्षेत्र का विवरण:

कपास वर्ष	क्षेत्रफल (लाख हैक्टेयर में(	उत्पादन (लाख गांठों में)
2014-15	8.21	26.50
2015-16	6.66	23.75
2016-17	4.72	19.00
2017-18	6.46	21.26
2018-19	6.20	15.00
2019-20	6.57	18.00
2020-21	6.06	16.00
2021-22	5.54	17.08
2022-23(पी)	7.04	15.41
2023-24(पी)	5.69	12.85

*स्रोत: दिनांक 06.11.2023 को कपास उत्पादन और उपभोग संबंधी समिति (सीओसीपीसी) की बैठक
पी-अनंतिम

***